भारत माँ की आरती या अन्य कार्यक्रमों की व्यवस्था हेतु

मंच निर्माण

बाबाजी के कार्यक्रम के लिए व्यवस्थाओं मे सबसे महत्वपूर्ण है मंच निर्माण। आम कार्यक्रमों के लिए बनाए जाने वाले मंचों से इसका स्वरूप भिन्न रहता है। जनता से जुड़ाव इस कार्यक्रम की मूल विशेषता है। अतः इस विषय मे कोई भी समझोता करना उचित नहीं। वैसे साथ मे दिये गए चित्र से मंच के आकार प्रकार को समझा जा सकता है। फिर भी कोई कठिनाई होने पर फोन से संपर्क करने मे कोई संकोच न किया जाए। मंच 40 x 20 फीट का होता है जिसका पिछला 10 फीट हिस्सा 5 फीट और आगे वाला 10 फीट का हिस्सा ढाई फीट होता है। कई बार टेबलो की लंबाई चौड़ाई को देखते हुए इसे एक दो फीट बढाया-घटाया जा सकता है।

कार्यक्रम मे जन सामान्य की उपस्थिति की संख्या को ध्यान मे रखकर मंच के पिछले हिस्से को और भी ऊंचा किया जा सकता है। लेकिन सामने वाले हिस्से की ऊंचाई ढाई फीट और रेंप की ऊंचाई ढेड़ या दो फीट से ज्यादा न हो.... इसका ध्यान रखा जाए।

- मंच पर कलाकारों के लिए चार 6 X 4 फीट की एक या ढेड़ फीट ऊंची चौकियां रखी जाए। जिन पर साफ चादर बिछी हो।

- साउंड बॉक्स रखने के लिए भी लगभग 10 बुफ़े टेबल या 6 फीट ऊंचे 2 प्लेटफार्म्स की जरूरत होती है। टेंट वाले से इस बारे मे भी पहले ही बात कर ली जाए।

कार्यक्रम के लिए बैठक व्यवस्था जमीन पर ही हो तो अति उत्तम है। लोगो को मंच से बिलकुल सटकर बैठाया जाए। एक बात अवश्य ध्यान रखी जाए.... कि मंच के पास छोटे बच्चे न बैठाया जाए क्योंकि वे बार बार गतिरोध पैदा करते है।

मुख्य अतिथियों या वी आई पी लोगो को मंच के बिलकुल सामने बैठाने के बजाय मंच के बाई और बैठाया जाए जहां से उन्हे पेंटिंग भी साफ दिखती रहे और उनके बीच मेन चले जाने से कोई घातिरोध भी न हो । मंच के सामने के हिस्से मे कोई बेरिकेट न बनाया जाए।

दर्शकों के बीच से बाबाजी के प्रवेश कि व्यवस्था रखी जाए।

कार्यक्रम हॉल मे होने पर व्यवस्थाओं मे कुछ अंतर आता है। एसे मे मंच पर कलाकारों के लिए चौकियाँ लगा दी जाए। ध्वनि प्रकाश के मामले मे वही बाते रहेगी जो खुले मे होती है।

कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए कुछ अन्य व्यवस्थाएं

लगभग 50 किलो से 1 क्विंटल गैंदे या गुलाब के फूलों की पंखुड़िया

8 फीट लंबी भारतमाता की पेंटिंग के लिए माला

कुछ केशरिया तथा तिरंगे झंडे

आकाशीय पटाखे (जो ऊपर जाकर फूटकर तरह तरह के फूल बनाते है।)

दर्शकों की संख्या के हिसाब से मिट्टी के दीपक (जो 5 मिनट तक जल सके), इन्हे वितरित करने तथा वापस समेटने के लिए बड़े थाल।

मंच पर 8 X 4 फीट का कम से कम आधा इंच मोटा प्लायवुड बिलकुल सीधा खड़ा किया हुआ. यह चित्र बनाने मे उपयोग किया जाएगा। साथ मे लगभग ढाई-तीन फीट ऊंचा टेबल (कलर रखने के लिए) एवं पानी से भरी एक बाल्टी।

बाबाजी तथा कलाकारों के रुकने की व्यवस्था

बाबाजी के साथ आमतोर पर 10 के लगभग लोग संगीत, ध्वनि-प्रकाशवाले लोग रहते है। कलाकारों के अच्छे प्रदर्शन मे इन सभी की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इसलिए इन सभी के निवास साफ सुथरे एवं मौसम के हिसाब से सभी आवश्यक सुविधाओ से परिपूर्ण हो। मच्छरों से बचाव का विशेष प्रबंध हो... मच्छर अगरबत्ती नहीं क्योंकि ये समस्या पैदा करती है।

- प्रयास इस बात का ही किया जाए कि सभी का निवास एक ही स्थान पर हो। किसी विशेष संगठनिक कारण बाबाजी को कहीं और ठहराने की कोई बात हो तो पहले ही इसकी चर्चा अवश्य कर ले।

- बाबाजी एवं कलाकारों के निवास स्तर मे विशेष अंतर न किया जाए। जहां तक संभव हो एक जैसी व्यवस्था हो।
- सभी के लिए सादा शाकाहारी भोजन (रोटी, दाल, चावल, कोई सब्जी व्यवस्था होने पर कोई मिठाई)। गरिष्ठ तला भोजन बिलकुल भी न रखा जाए।
- रात्रि का भोजन कार्यक्रम के बाद ही होता है। इसकी व्यवस्था रखी जाए।
-

ध्वनि- प्रकाश व्यवस्था

मंच पर ध्वनि प्रकाश का विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है,

- स्थान का चयन करते समय सबसे पहले देख ले कि हॉल या मैदान मे आवाज कि दृष्टि से कोई गड़बड़ तो नहीं है। **ईको वाले हॉल या मैदान मे (जहां आवाज गूँजती हो या लौटकर वापस सुनाई देती हो) कार्यक्रम करने से कार्यक्रम न करना ही बेहतर होता है।**
- साउंड एंड लाइट का सिस्टम यदि बाबा जी के साथ न आ रहा हो तो उसकी व्यवस्था के लिए अच्छे साउंड एंड लाइट स्पेशलिस्ट से बात कि जाए जिसके पास 16 चैनल वाला यामाहा (या इसी स्तर का) मिक्सर तथा गाने वालो के लिए sure या sennhiser के माइक्रोफोनस हो। 2 कार्डलेस माइक्रोफोनस भी हो,
  - 4 Jeck to Jeck
  - मंच पर 4 या 5 अच्छे वाले (JBL या समकक्ष) मोनिटर्स रखे जाए।
- मैदान यदि बड़ा हो तो सारे साउंड बॉक्स डीजे स्टाइल मे एक ही जगह जमाकर न लगाए जाए। उन्हे थोड़ी थोड़ी दूर पर आगे बदाकर लगे जाए। ताकि सारे मैदान मे समान आवाज़ आए।
- दो धुआ Smoke मशीन, 1 flicker / स्ट्रोक लाइट, 1 लेसर लाइट, एक एलईडी बॉल यदि हो सके तो दो मुविंग हैड, तथा दो या चार फ़ायर मशीन (ओरिजनल आग वाली)
- L E D पार लाइट DMX मिक्सर सहित 6 यदि नहीं हो तो 12 सादी पारलाइट 6 चैनल वाले पावर पैक के साथ.
- सामने से जो लाइट मंच की और लगाई जाए वो कम से कम 15 फीट उंची तो रहना ही चाहिए ताकि वो सामने से बाबाजी या कलाकारों की आँख पर न पड़े.

- मंच तथा मैदान पर हेलोजन लाइट ही प्रयोग किया जाए। मैटल लाइट का प्रयोग न किया जाए।
- मैदान तथा मंच के हेलोजन के प्रकाश को चालू बंद करने कि व्यवस्था मंच के पास साउंड ओप्रेटर के पास रहे। इसके लिए लाइट वाले को पहले से ही कह दिया जाए। बाद मे जनरेटर वाले या लाइट वाले इस काम मे बहुत नखरे लगाते है।
- प्रयास तो साउंडलेस जनरेटर का ही किया जाए पर यदि न हो तो सादा जनरेटर को मंच से कम से कम 200 या 250 मीटर दूर आड़ वाले किसी एसे स्थान पर खड़ा किया जाए जहां से उसकी जरा भी आवाज़ मंच तक ना आ पाये। ये बात जनरेटर वाले से प्रारम्भ मे ही कर ली जाए। आखिरी वक्त पर वे इसके लिए तैयार नही होते हैं।
- मंच पर आमतौर पर 30 किलोवाट पावर की जरूरत होती है। मैदान की लाइट के लिए पावर वहीं के हिसाब से तय हो सकती है जो लाइट वाला खुद ही बता देगा।

कार्यक्रम की रेकार्डिंग यदि करनी हो तो डीवीडी बनाने के बाद DVC मूल केसेट हमे देनी होगी।

केमरमेन या फोटोग्राफर्स को स्पष्ट कहा दिया जाए कि वे मंच पर अनावश्यक रूप से गतिरोध न करे। न ही वीडियो कि फ्लश लाइट का प्रयोग करे।

आयोजको से अनुरोध है कि वे कार्यक्रम प्रारम्भ मे मंच की तमाम औपचरिकताये जैसे अतिथियों, कलाकारों का स्वागत, आदि सम्पूर्ण कर लेवे। तथा मंच बाबाजी के कलाकारों को सुपुर्द कर दे। स्वागत के लिए बाबाजी का इंतज़ार न करें। बाबाजी का प्रवेश कार्यक्रम शुरू होने के बाद निर्धारित समय पर होता है।

उक्त सभी व्यवस्था बिन्दु 600 से अधिक कार्यक्रमों के अनुभव से युक्त है। कृपया इनका विशेष ध्यान रखे। किसी विषय को प्रतिष्ठा का विषय न बनाए क्योंकि हमारा और आपका एक ही उद्देश्य है एक गरिमापूर्ण आनंददायक कर्यक्रम... और ये निर्भर है इन्ही सारे बिन्दुओ के क्रियान्वयन पर।

वंदे मातरम

संजय लोढ़ा, ट्रस्टी, भारतभक्ति संस्थान, 09821475356